कुछ लेना ना देना मगन रहना

कुछ लेना ना देना मगन रहना |

पांच तत्व का बना है पिंजरा,
भीतर बोल रही मैना |

तेरा पिया तेरे घाट मै बसत है,
देखो री सखी खोल नैना |

गहरी नदिया नाव पुरानी,
केवटिया से मिल रहना |

कहत कबीर सुनो भई साधो,
प्रभु के चरण लिपट रहना |

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32/title/kuch-lena-na-dena-magan-rehna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |